संगोष्ठि के वक्ता

१. मान.श्री रमेश पतंगे जी, मुम्बई,

२. प्रा डॉ. नाथालाल गोहेल- केशोद

३. मान.श्री अनिताबहन परमार, गांधीनगर

४. मान. श्री किशोरभाई मकवाणा, अमदावाद

५. प्रो. डॉ. मनुभाई मकवाणा, अमदावाद

सत्र विभाजन

रजिस्ट्रेशन, चाय-अल्पाहार	:	०८ : ०० से ०९ :३०
उद्घाटन सत्र	:	०९ : ४५ से ११ :४५
प्रथम सत्र	:	११ : ४६ से १२ : ४५
भोजन विराम	:	१२ : ४६ से ०१ : ५५
द्वितीय सत्र	:	०२ : ०० से ०२ : ५०
तृतीय सत्र	:	०२ : ५१ से ०३ : ५०
चाय, विराम	:	०३ : ५१ से ०४ : ००
चतुर्थ सत्र(शोधपत्र प्रस्तुति)	:	०४ : ०० से ०४ : ३०
पाँचवा सत्र	:	०४ : ३१ से ०५: ३०
समापन सत्र	:	०५ : ३१ से ०६ : १५
प्रमाणपत्र वितरण	:	०६ : १६ से

निमंत्रण

अलिख भारतीय संगोष्ठि

डॉ. अम्बेडकर जी का सर्वसमावेशक दर्शन

सम्माननीयश्री,.....

दिनांक	:	०८-मार्च-२०१९ (शुक्रवार)
स्थान	:	*NFDD* सेमिनार खण्ड, सौराष्ट्र युनिवर्सिटी, राजकोट

BAC

निमंत्रक

Re- Accredited
Grade A by NAAC

चेरमेन,
बाबासाहब डॉ.बी.आर. अम्बेडकर चेर-सेन्टर

कुलसचिवश्री,
सौराष्ट्र युनिवर्सिटी, राजकोट

भूमिका

भारतरत्न बाबासाहब डॉ.भीमराव अम्बेडकर जी की १२५ वीं जन्म शताब्दीं के अवसर पर २०१६ में गुजरात सरकार ने सौराष्ट्र विश्वविद्यालय में डॉ.बी.आर.अम्बेडकर चेर-सेन्टर स्थापित किया हैं । डॉ.अम्बेड़कर जी के जीवन, कार्य और तत्त्वज्ञान सम्बन्धी अध्ययन-अध्यापन इस सेन्टर में हो रहा हैं ।

मानव समाज के उत्थान के लिए मानवता के क्रांतिदूतों ने जो अहर्निश संघर्ष किया हैं, उनमें विश्वविभूति भारतरत्न डॉ. अम्बेडकर जी का नाम प्रथम हैं । आज भी डॉ. अम्बेडकर एक विश्वप्रसिद्ध न्यायविद, अर्थशास्त्री, राजनीतिज्ञ, संविधान शिल्पी, राष्ट्रभक्त, समाजसेवी, बुद्धिवादी, स्वतन्त्रता-समानता-बन्धुता के पहेरेदार तथा चिन्तक के रूप में अपने कृतित्त्व के माध्यम से हमारे बीच मौजूद हैं । सभी तरह से उपेक्षित तथा वंचित लोगों के साथ-साथ मनुष्य मात्र के लिए बन्धुता, समता एवं स्वतन्त्रता का आजीवन एवं अहर्निश शंखनाद करनेवाले डॉ.अम्बडकर जी को तमाम मनुष्यों के अधिकारों की वकालत करनेवाले अधिवक्ता, मानवता के शिल्पकार, मसीहा, मानवतावादी नायक कहा जाता हैं । बाबासाहब सभी मूल, कूल, वंश, जाति, गोत्र, नस्ल, सम्प्रदाय, वर्ग, वर्ण के अधिकार तथा वंचितों की सच्ची सेवा का दुर्लभ उदाहरण हैं ।

डॉ.अम्बेडकर के मौद्रिक, राजकोषीय, श्रम- समस्या, नारी-उत्थान, धर्म, सामाजिक-न्याय, उद्योग, कृषि, मानव-संसाधन, जल-संसाधन, बीमा उद्योग, मद्यनिषेध, शिक्षा, लोकतन्त्र, कार्यपालिका, न्यायपालिका, व्यवस्थापिका, संघीय शासनप्रणाली भाषीय प्रान्त, राष्ट्रभाषा, विषयक समष्टिभावी चिन्तन तथा सिद्धान्त आज भी अत्यधिक उपयोगी तथा प्रासंगिक हैं ।

डॉ. अम्बेडकर सभी तरह के विभेद का समूल नाश करनेवाले महामानव का नाम हैं । स्वकष्टार्जित शिक्षा तथा अनुभव के आधार पर उन्होंने मानव कल्याण के लिए जिन नीतियों तथा सिद्धान्तों का सृजन किया वे अश्रुतपूर्व हैं ।

उद्घाटन सत्र

समय : ०९ : ४५ से ११ : ४५

अध्यक्षश्री : **डॉ. नीतिनभाई पेथाणी जी**
सन्माननीय कुलपतिश्री, सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट ।

विशेषोपस्थिति : **डॉ. विजयभाई देशाणी जी**
सन्माननीय उपकुलपतिश्री, सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट ।

दीप प्रागट्य : भिक्खू प्रज्ञारत्न जी, अखिलभारतीय भिक्खू महासंघ
महासविच, गुजरात प्रदेश, धी ग्रेट अशोका, बुद्धविहार, पोरबन्दर

विशेष आमन्त्रित : डॉ. मेहुलभाई रूपाणी जी, डॉ. नेहलभाई शुक्ल जी,
डॉ. धरमभाई काम्बलीया जी, डॉ. विमलभाई परमार जी,
(सन्माननीय सिन्डीकेट सदस्यश्री, सौ. युनि. राजकोट)
सभी सन्माननीय सेनेट सभ्यश्री, सौ. युनि. राजकोट ।

सलाहकार समिति (BAC) : प्रो. हेमीक्षाबहन राव , प्रो. संजय भायाणी
प्रो.जयदीपसिंह डोडीया, डॉ. अश्विन सोलंकी

संगोष्ठी के अवसर पर :

- नवनियुक्त कुलपतिश्री, उपकुलपतिश्री एवं कुलसचिवश्री का सन्मान
- चेर-सेन्टर द्वारा प्रकाशित 'डॉ.अम्बेडकर का राष्ट्रदर्शन' पुस्तक का विमोचन ।
- 'डॉ. अम्बेडकर संशोधन एवोर्ड-२०१८-१९' अर्पण ।
- 'डॉ.अम्बेडकर स्पेशीयल संशोधन फेलोशीप एवोर्ड-२०१८-१९' अर्पण
- २०१७-१८ के राज्यस्तरीय निबंध स्पर्धा के विजेताओं को भीमप्रज्ञा एवोर्ड अर्पण
- २०१८-१९ के राज्यस्तरीय निबंध स्पर्धा के विजेताओं को भीमप्रज्ञा एवोर्ड अर्पण
- २०१८-१९ के ०२ विद्वान लेखकों को भीम सन्मान एवोर्ड अर्पण

समारोप सत्र

समय : ०५ : ३१ से ०६ : १५

अध्यक्षश्री : डॉ. विजयभाई देशाणी जी
सन्माननीय उपकुलपतिश्री, सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट ।

विशेषोपस्थिति : डॉ. भाविनभाई कोठारी जी,
प्रि.डॉ. विजयभाई भट्टासणा जी,
प्रो.डॉ. भरतभाई रामानुज जी,
मान.श्री हरदेवसिंह जाडेजा जी,
सन्माननीय सिन्डीकेट सदस्यश्री, सौ. युनि. राजकोट)

संगोष्ठि संयोजक : प्रो. राजा एन.काथड, चेरमेन, बाबासाहब डॉ.बी.आर. अम्बेडकर चेर-सेन्टर एवं प्रोफेसर अनुस्नातक संस्कृत भवन, सौराष्ट्र विश्वविद्याय, राजकोट ।